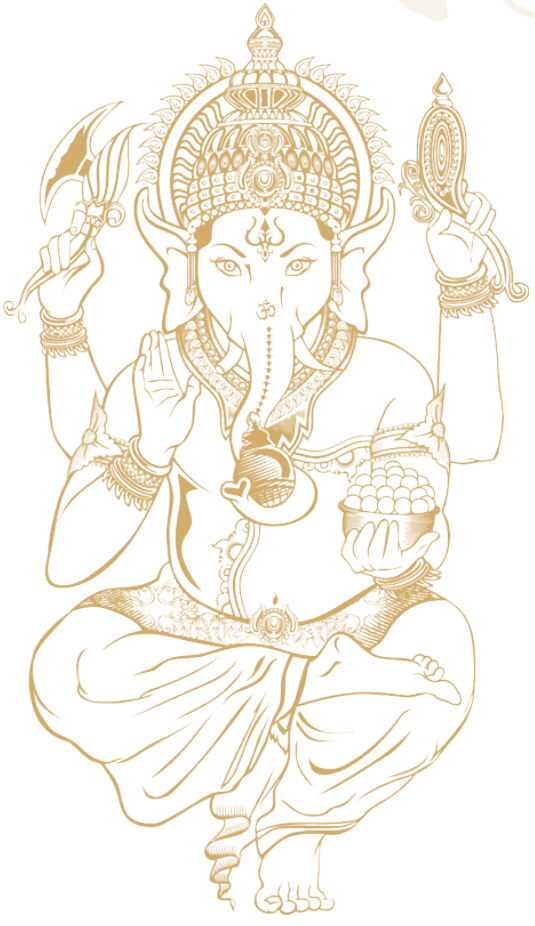

Mr.sneha Kumari

18 Feb 2020

03:30 PM

Naugachia

Model: web-freekundliweb

Order No: 121743906

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/02/2020**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	23:07:40 घटी
स्थान	**Naugachia**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:24:00 उत्तर
रेखांश	87:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:18:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:48:24 घंटे
वेलान्तर	-00:13:59 घंटे
साम्पातिक काल	01:39:46 घंटे
सूर्योदय	06:14:55 घंटे
सूर्यास्त	17:36:33 घंटे
दिनमान	11:21:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:04:10 कुम्भ
लग्न के अंश	08:16:45 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:16:45	312:00:38	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	05:04:10	01:00:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	05:32:23	12:53:00	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			धनु	07:11:51	00:41:17	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	18:35:26	00:14:19	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			धनु	23:10:53	00:12:01	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			मीन	18:10:34	01:09:01	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			मक	02:50:55	00:06:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु			मिथु	13:06:51	00:00:44	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु			धनु	13:06:51	00:00:44	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:08:31	00:01:54	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	23:32:45	00:02:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	29:48:49	00:01:43	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			मेष	02:44:36	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:02

लग्न-चलित

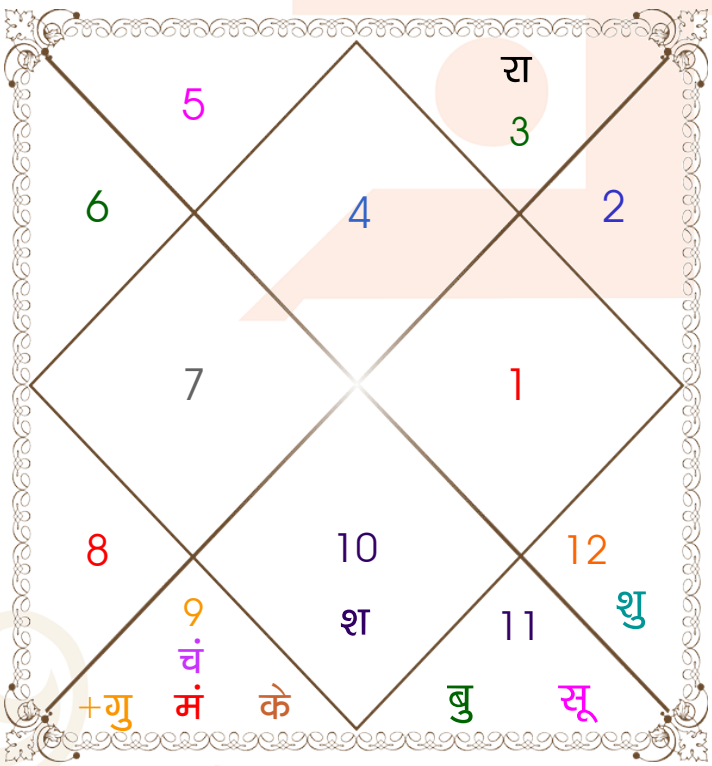

चन्द्र कुंडली

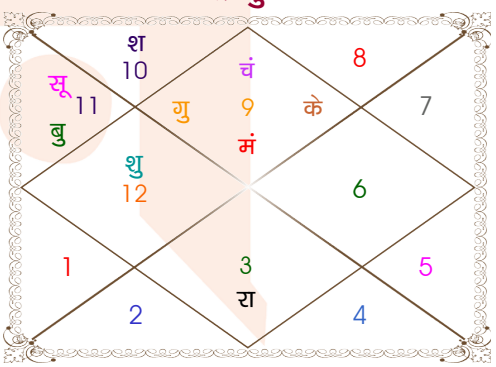

नवमांश कुंडली

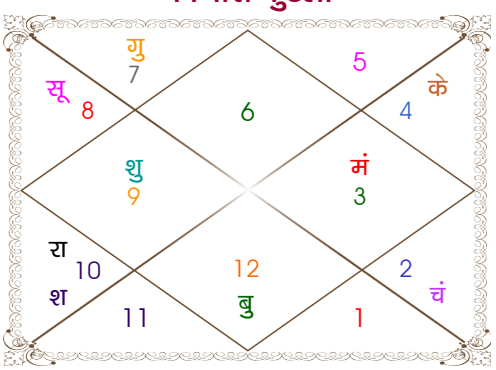

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/02/2020		23/03/2024		23/03/2044		23/03/2050		23/03/2060	
23/03/2024		23/03/2044		23/03/2050		23/03/2060		23/03/2067	
	00/00/0000	शुक्र	23/07/2027	सूर्य	10/07/2044	चंद्र	21/01/2051	मंगल	19/08/2060
	00/00/0000	सूर्य	22/07/2028	चंद्र	09/01/2045	मंगल	23/08/2051	राहु	06/09/2061
	00/00/0000	चंद्र	23/03/2030	मंगल	17/05/2045	राहु	20/02/2053	गुरु	13/08/2062
	18/02/2020	मंगल	23/05/2031	राहु	10/04/2046	गुरु	22/06/2054	शनि	22/09/2063
मंगल	21/02/2020	राहु	23/05/2034	गुरु	28/01/2047	शनि	22/01/2056	बुध	18/09/2064
राहु	11/03/2021	गुरु	21/01/2037	शनि	10/01/2048	बुध	22/06/2057	केतु	14/02/2065
गुरु	15/02/2022	शनि	23/03/2040	बुध	15/11/2048	केतु	21/01/2058	शुक्र	16/04/2066
शनि	26/03/2023	बुध	21/01/2043	केतु	23/03/2049	शुक्र	22/09/2059	सूर्य	22/08/2066
बुध	23/03/2024	केतु	23/03/2044	शुक्र	23/03/2050	सूर्य	23/03/2060	चंद्र	23/03/2067

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/03/2067		23/03/2085		24/03/2101		24/03/2120		24/03/2137	
23/03/2085		24/03/2101		24/03/2120		24/03/2137		00/00/0000	
राहु	04/12/2069	गुरु	11/05/2087	शनि	27/03/2104	बुध	20/08/2122	केतु	20/08/2137
गुरु	28/04/2072	शनि	21/11/2089	बुध	05/12/2106	केतु	17/08/2123	शुक्र	20/10/2138
शनि	05/03/2075	बुध	27/02/2092	केतु	14/01/2108	शुक्र	17/06/2126	सूर्य	25/02/2139
बुध	21/09/2077	केतु	02/02/2093	शुक्र	15/03/2111	सूर्य	24/04/2127	चंद्र	26/09/2139
केतु	10/10/2078	शुक्र	04/10/2095	सूर्य	25/02/2112	चंद्र	22/09/2128	मंगल	19/02/2140
शुक्र	10/10/2081	सूर्य	22/07/2096	चंद्र	26/09/2113	मंगल	19/09/2129		00/00/0000
सूर्य	03/09/2082	चंद्र	21/11/2097	मंगल	04/11/2114	राहु	08/04/2132		00/00/0000
चंद्र	04/03/2084	मंगल	28/10/2098	राहु	10/09/2117	गुरु	15/07/2134		00/00/0000
मंगल	23/03/2085	राहु	24/03/2101	गुरु	24/03/2120	शनि	24/03/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।